भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- †2858

उत्तर देने की तारीख- 12/12/2024

नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना

†2858. श्री राजू बिष्टः

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) गत तीन वर्षों के दौरान नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) की स्थापना में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान, विशेषकर से कलिम्पोंग, दार्जिलिंग और उत्तरी दिनाजपुर जिलों में स्वीकृत, निर्मित और संचालित ईएमआरएस का ब्यौरा और संख्या क्या है;

(ग) चालू वित्त वर्ष के लिए ईएमआरएस विकास के लिए बजट आवंटन का ब्यौरा क्या है; और

(घ) ईएमआरएस में छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों और नामांकन के आंकड़ों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क): जनजातीय बच्चों को उनके अपने परिवेश में नवोदय विद्यालय के समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 2018-19 में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) की केंद्रीय क्षेत्र योजना शुरू की गई थी। नई योजना के तहत, सरकार ने 440 ईएमआरएस स्थापित करने का निर्णय लिया, , 50% से अधिक एसटी आबादी और कम से कम 20,000 जनजातीय व्यक्ति (जनगणना 2011 के अनुसार) वाले प्रत्येक ब्लॉक में एक ईएमआरएस होगा। अनुच्छेद 275(1) के तहत स्वीकृत 288 स्कूलों सहित, मंत्रालय ने देश भर में कुल 728 ईएमआरएस स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। आज तक, 715 स्कूल स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से लगभग 1,33,929 छात्रों को लाभान्वित करते हुए 476 ईएमआरएस कार्यात्मक हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान नए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) स्थापित करने में हुई प्रगति इस प्रकार है:-

नए ईएमआरएस स्थापित करने के लिए ईएमआरएस के लिए स्वीकृत स्थान (2021-22 से 2023-24): 111.

- कार्यात्मक ईएमआरएसः इस अवधि के दौरान **48 ईएमआरएस** को कार्यात्मक बनाया गया है
- निर्माण प्रगतिः **119 भवन** पूरे हो चुके हैं।

(ख): पश्चिम बंगाल राज्य के लिए नीचे दी गई तालिका के विवरणानुसार नौ (9) ईएमआर स्कूलों की पहचान की गई है, जिसमें से 01 ईएमआरएस को वर्ष 2018-19 में कलिम्पोंग जिले के कलिम्पोंग ब्लॉक में

मंजूरी दी गई है और इसे राज्य सरकार द्वारा कार्यात्मक किया गया है। वर्तमान में, यह स्कूल निर्माण पूर्व-चरण में है। दार्जिलिंग और उत्तरी दिनाजपुर जिले में कोई ईएमआरएस स्वीकृत नहीं किया गया है।

क्र. सं.	जिला	ब्लॉक/ तालुका	गाँव	योजना	स्वीकृति का वर्ष
1	बांकुड़ा	खातरा	गोराबारी	अनुच्छेद 275 (1)	1997-98
2	बीरभूम	बोलपुर श्रीनिकेतन	कांकुटिया	अनुच्छेद 275 (1)	2005-06
3	दक्षिण दिनाजपुर	बंसीहारी	कुआरसाई	अनुच्छेद 275 (1)	2005-06
4	जलपाईगुड़ी	नागराकाटा	सुलकापारा	अनुच्छेद 275 (1)	1997-98
5	झारग्राम	झारग्राम	झारग्राम (सत्यबनपल्ली)	अनुच्छेद 275 (1)	1997-98
6	कलिम्पोंग	कलिम्पोंग	कलिम्पोंग	अनुच्छेद 275 (1)	2018-19 (पुराना)
7	पश्चिम बर्धमान	कांकसा	रघुनाथपुर	अनुच्छेद 275 (1)	1997-98
8	पुरुलिया	मनबाज़ार - II	शुसिना	अनुच्छेद 275 (1)	1997-98
9	पुरुलिया	बुंदवान	राज्य सरकार द्वारा भूमि की पहचान होनी है	नई योजना	राज्य सरकार द्वारा भूमि की पहचान होनी है

(ग): जनजातीय कार्य मंत्रालय राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस) को निधियां जारी करता है, जो ईएमआरएस की योजना का प्रबंधन और कार्यान्वयन करने वाला जनजातीय कार्य मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है और आगे एनईएसटीएस राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/निर्माण एजेंसियों/राज्य समितियों (सोसायटियों) को ईएमआरएस के निर्माण और स्कूलों के संचालन की आवर्ती लागत के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार निधियां जारी करता है। वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की केंद्रीय क्षेत्र योजना के लिए 6,399.00 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।

(घ): ईएमआरएस की शैक्षणिक उपलब्धियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

1. 2023-24 के दौरान कक्षा X और XII में क्रमशः 88.69% और 82.18% उत्तीर्ण प्रतिशत प्राप्त हुए हैं।
2. सीबीएसई द्वारा आयोजित स्कूल गुणवत्ता प्रमाणन और मूल्यांकन (एसक्यूएए) पर शिक्षक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया
3. शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए ईएमआरएस छात्रों के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरूआत।
4. समर्पित एकलव्य चैनल के शुभारंभ के माध्यम से ईएमआरएस छात्रों को विज्ञान प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग गणित (एसटीईएम) विषयों में लैस (सुसज्जित) किया जा रहा है। इस चैनल पर, कक्षा 9वीं से 12वीं तक की एसटीईएम सामग्री प्रसारित की जाती है, जनजातीय छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में मदद करने के लिए आईआईटी और नीट (एनईईटी) की तैयारी के रिकॉर्ड किए गए व्याख्यान भी प्रसारित किए जाते हैं। एसटीईएम सामग्री जनजातीय भाषा में भी प्रसारित की जाती है।

5. 158 ईएमआरएस को स्मार्ट क्लासरूम अवसंरचना और जनशक्ति प्रशिक्षण प्रदान किया गया है तथा 328 ईएमआरएस को ईआरएनईटी के सहयोग से इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्मार्ट क्लासरूम से लैस (सुसज्जित) किया जा रहा है।

6. छात्रों को डिजिटल मोड के माध्यम से इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए परियोजना शुरू की गई है और सीनियर (वरिष्ठ) माध्यमिक स्तर वाले ईएमआरएस में सीधे प्रसारण वाली (लाइव) कक्षाएं प्रसारित की जाती हैं।

7. राज्यों के ईएमआरएस के छात्र आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटी, एम्स और ओलंपियाड आदि सहित प्रतिष्ठित संस्थानों में सफलतापूर्वक प्रवेश पा चुके हैं। कई छात्रों ने राज्य पीसीएस, अन्य सरकारी नौकरियों आदि जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

8. अमेज़ॅन फ्यूचर इंजीनियर (एएफई), बचपन से कैरियर तक का एक व्यापक कार्यक्रम जिसका उद्देश्य वंचित और कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों के बच्चों और युवा वयस्कों के लिए कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा तक पहुँच बढ़ाना है। यह हमेशा विकसित होते भविष्य में बच्चों के लिए समस्या समाधान क्षमताओं, तार्किक सोच, कोडिंग कौशल आदि सहित कम्प्यूटेशनल कौशल की महत्वपूर्णता को पहचानता है।

9. अब तक 350 से अधिक स्कूल सीबीएसई से संबद्ध हो चुके हैं।

10. ईएमआरएस छात्रों ने शिक्षा मंत्रालय के डीओएसईएंडएल (स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग) द्वारा आयोजित परीक्षा-पे-चर्चा कार्यक्रम में भाग लिया।

11. ईएमआरएस छात्रों ने संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित युवा संसद कार्यक्रम में भाग लिया।

12. भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस पर यानी 15 नवंबर, 2024 को 6 ईएमआरएस छात्रों के साथ बातचीत की और इन छात्रों द्वारा बनाई गई पेंटिंग की सराहना की। ईएमआरएस छात्रों की पेंटिंग प्रदर्शित करने वाली पेंटिंग प्रदर्शनी स्टॉल की माननीय प्रधानमंत्री द्वारा सराहना की गई।

13. ईएमआरएस के 16 चयनित छात्रों ने एबीवीआईएमएएस द्वारा संचालित एडवांस माउंटेनियरिंग कोर्स (उन्नत पर्वतारोहण पाठ्यक्रम) सफलतापूर्वक पूरा किया। बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स (आधारभूत पर्वतारोहण पाठ्यक्रम) पूरा करने वाले छात्रों के पूल में से छात्रों का चयन किया गया था।

14. इसरो के सहयोग से एनईएसटीएस द्वारा अंतरिक्ष विज्ञान कार्यक्रम शुरू किया गया है और इसे जनजातीय युवा अंतरिक्ष कार्यक्रम (जयकार) के रूप में जाना जाता है और पायलट चरण में 120 सीनियर (वरिष्ठ) माध्यमिक छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 7-दिवसीय आवासीय कार्यक्रम है जिसमें इसरो द्वारा डिज़ाइन किए गए अंतरिक्ष विज्ञान पाठ्यक्रम को ईएमआरएस छात्रों के बीच प्रसारित किया गया।

15. नेस्ट्स ने ट्राइबल एप्टीट्यूड लाइफ स्किल्स एंड सेल्फ एस्टीम हब (टीएएलएएसएच) नाम से एक कार्यक्रम शुरू किया है, इस कार्यक्रम के तहत जनजातीय छात्रों को जीवन कौशल और आत्मसम्मान प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिससे उनके व्यक्तित्व विकास में मदद मिलती है।

16. कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सहयोग से 200 ईएमआरएस में 400 कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं।

इसके अलावा, शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कुल 1,33,929 छात्रों ने ईएमआरएस में नामांकन कराया है।

*****